Annual Examination 2023-24

Class- IX

Time: 3:00 Hrs. **HINDI** **M.M: 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately

You will not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

Section A is compulsory. All questions in Section A must be answered. Attempt any four questions from Sections B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two questions from the same books you have studied

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets []

SECTION A

(Attempt all questions from this Section.)

Question 1.

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics:
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए: [15]

(i) ' प्रकृति का संदेश ' शीर्षक से एक प्रस्ताव लिखिए तथा बताइए कि मनुष्य को प्रकृति से क्या शिक्षाएँ ग्रहण करनी चाहिए ?

(ii) आप अपने जीवन के विषय में क्या सोच रक्खा है? आप क्या बनना चाहेंगे ? अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आप कौन से प्रयास करेंगे ?

(iii) संस्कृति का अर्थ स्पष्ट करते हुए, भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(iv) आपकी दृष्टि में मित्र बनाते समय क्या - क्या बातें देखनी चाहिए ?

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और इसके आधार पर एक सार्थक प्रस्ताव लिखिए, जिसका संबंध सीधा चित्र के साथ होना अनिवार्य है।

Downloaded From www.iosboard.org

Question 2. [7]

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below:

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए

(i) आप मित्र किसी खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विदेश यात्रा पर जा रहा है। मंगलकामनाएँ करते हुए उसे पत्र लिखिए।

(ii) विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी की पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

Question 3.

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

किसी आश्रम में एक ज्ञानी महात्मा रहते थे। एक दिन अपने शिष्यों को उपदेश देते हुए उन्होंने बताया प्रत्येक प्राणी में भगवान हैं। पुरुष, स्त्री, पशु-पक्षी यहाँ तक कि छोटे-छोटे जीव में भी भगवान विद्यमान हैं; इसलिए किसी से भी डरना नहीं चाहिए।" शिष्य बहुत प्रसन्न हुए और यह मंत्र रट लिया गया। एक दिन महात्मा जी का एक शिष्य आश्रम से नगर में गया। वह अपने ध्यान में मस्त चला जा रहा था. उधर से एक पागल हाथी दौड़ा आ रहा था। उस पर बैठा महावत चिल्ला रहा था, "भागो भागो हाथी पागल हो गया है और मेरे अंकुश में नहीं रहा, इसलिए अपने प्राणों को बचाओ और भाग जाओ।" लोग अपनी जान बचाने के लिए उधर-उधर भागने लगे परन्तु यह शिष्य नहीं भागा। उसने सोचा कि गुरुजी का अचूक मंत्र मेरे पास है। मुझमें भी भगवान है और इस हाथी में भी भगवान है, तो फिर भगवान को भगवान से क्या डर हो सकता है? वह डटा रहा। महावत ने पुनः चेतावनी दी, "हाथी पागल है, बचो।" परन्तु वह शिष्य हाथी के सामने अंकड़कर खड़ा हो गया। हाथी बेचारे को क्या पता था कि यह नया नया ज्ञान सीखकर आया है। आपका मंत्र मेरे पास था परन्तु उस मूर्ख हाथी ने मुझे पूरे वेग से पकड़कर परे फेंक दिया। आपके आदेशानुसार मैंने उसे भी भगवान उसने उसे अपनी सूँड़ से लपेटकर दूर फेंक दिया। शिष्य की कई हड्डियाँ टूट गईं। महात्मा जी आए और शिष्य को आश्रम में ले गए। गुरुजी ने पूछा, "हे शिष्य क्या बात हुई?" वह बोला, "एक पागल हाथी भागा जा रहा था, मैं उससे बिल्कुल नहीं डरा, क्योंकि मैंने उसे उसका ही रूप समझा, परन्तु आपके भगवान ने मेरी हड्डियाँ तोड़ दीं। आपका उपदेश मिथ्या है। गुरु.जी सहजभाव से बोले, "क्या उस हाथी पर कोई सवार था ?" शिष्य ने बताया, "उस पर एक महावत बैठा था, जो कह रहा था कि हाथी पागल हो गया है, अपने-आपको बचाओ।" गुरुजी बोले, "पगले! तुम्हें महावत में विराजमान भगवान की बात पहले सुननी चाहिए थी, क्योंकि उसका भगवान हाथी के भगवान से अधिक जागृत था। तुम विवेक शून्य होकर मेरे शब्दों को ही पकड़ पाए हो, परन्तु उसमें निहित रहस्य को नहीं समझ पाए।" शिष्य को अब यह रहस्य समझ में आया कि जिस प्राणी की चेतना अधिक जागृत होती है, उसी का भगवान अर्थात ब्रह्म अधिक जागरूक होता है।

(i) ज्ञानी महात्मा यहीं रहते थे? उन्होंने अपने शिष्यों को क्या बताया ? [2]

(ii) हाथी पर बैठा महावत क्या चिल्ला रहा था? [2]

(iii) महावत की चेतावनी के बाद भी शिष्य क्यों नहीं भागा ? [2]

(iv) शिष्य के न भागने का क्या दुष्परिणाम हुआ? [2]

(v) सारी घटना जानने के बाद गुरुजी ने शिष्य को क्या समझाया ? इस गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [2]

Question 4 [8]

Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:

1. पर्यायवाची शब्द बनाइए

अग्नि का सही पर्यायवाची शब्द चुनिए।

(A) पावक (B) नदी (C) शैल (D) अमिय

2. विलोम शब्द लिखिए

आर्द्र शब्दों के उपयुक्त विलोम शब्द है

(A) [illegible] (B) शुष्क

(C) [illegible] (D) [illegible]

https://www.icseonline.com

Downloaded from www.icseboard.org

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए

राहुल मेरा छोटा भाई है।

(A) अग्रज (B) सुता (C) अनुज (D) बालक

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए

पंडित का भाववाचक संज्ञा रूप है -

(A) पंडिताई (B) पांडित्य (C) पंडितत्व (D) पाण्डव

5. लिंग बदलें -

सम्राट शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा ?

(A) सम्राटनी (B) साम्राज्ञी

(C) पंडितानी (D) समरटिन

6. कर्म के आधार पर क्रिया भेद बताएं

शिक्षिका ने छात्रों को हिंदी पढ़ाई।

(A) सकर्मक क्रिया (B) अकर्मक क्रिया

(C) साधारण क्रिया (D) इनमें से कोई नहीं

7. मुहावरे का अर्थ बताएं

मिट्टी का माधौ

(A) मूर्ख व्यक्ति (B) घबरा जाना

(C) माँगना (D) ध्यान से सुनना

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए, शुद्ध वाक्य चुनिए ।

(A) मैंने अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं। (B) मैंने अपने हस्ताक्षर कर दी है।

(C) मैंने अपने हस्ताक्षर कर दिया है।(D) इनमें से कोई नहीं।

Section - B

साहित्य सागर (गद्य)

Question 5.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

" मैं चतुर था इतना चतुर जितना मनुष्य को न होना चाहिए, क्योंकि मुझे विश्वास हो गया है कि मनुष्य अधिक चतुर बनकर अपने को अभागा बना लेता है और भगवान की दया से वंचित हो जाता है।'

(i) वक्ता एवं श्रोता कौन हैं? उसने श्रोता से अपने मन की बात किस प्रकार बताई ? [2]

(ii) अपनी महत्वाकांक्षा तथा उन्नतिशील विचारों के बारे में वक्ता ने क्या कहा ? [2]

(iii) वक्ता ने श्रोता से किस घटना का उल्लेख किया ? [3]

(iv) क्या आप वक्ता के उपयुक्त कथन से सहमत हैं? कारण सहित बताइए। [3]

Question 6.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

' अकस्मात् शुभ कार्य में विघ्न की तरह उग्र रूप धारण किए हुए विश्वेश्वर वहाँ आ पहुँचे।'

(i) 'शुभ कार्य' और 'विघ्न' शब्दों का प्रयोग किस-किस संदर्भ में किया गया है? [2]

(ii) विश्वेश्वर कौन हैं? उनकी उग्रता का क्या कारण था ? [2]

(iii) वहाँ कौन-कौन थे और वे क्या कर रहे थे ? [3]

(iv) विश्वेश्वर ने धमकाकर किससे क्या पूछा और उन्हें असलियत का पता कैसे चला? उन्होंने अपराधी को क्या दंड दिया ? [3]

Question 7.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

" वह एक सीधा-सादा देहाती गृहस्थ का मकान था, किंतु आनंदी ने थोड़े ही दिनों में अपने आप को इस नई परिस्थिति के ऐसा अनुकूल बना लिया, मानो विलास के सामान कभी देखे ही न थे।"

Downloaded From www.icseboard.org

(i) सीधा सादा गृहस्थ से किसकी ओर संकेत किया गया है? [2]

(ii) आनंदी के पिता उसके विवाह को लेकर किस प्रकार के धर्म संकट में थे। [2]

(iii) आनंदी के मायके और ससुराल के वातावरण में क्या अंतर था ? [3]

(iv) आनंदी और लाल बिहारी की तकरार किस बात पर शुरू हुई ? [3]

साहित्य सागर (पद्य)

Question 8.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों, गाँव में शहर के ।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(i) कवि ने मेघों के आगमन की तुलना किससे की है ? उनका स्वागत किस प्रकार होता है? [2]

(ii) मेघों के आगमन पर बयार की क्या प्रतिक्रिया हुई तथा क्यों ? स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) मेघों के लिए बन ठन के,संवर के शब्दों का प्रयोग क्यों किया गया है ? [3]

(iv) पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि ग्रामीण संस्कृति में पाहुन का विशेष महत्व क्यों है ? [3]

Question 9.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जसोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै, दुलराइ मल्हावै, जोइ-सोइ कछु गावै।।
मेरे लाल को आउ निंदरिया, काहे न आनि सुवावै।
तू काहे नहिं बेगहिं आवै, तोको कान्ह बुलावै।।
कबहुँ पलक हरि मूँदि लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै ।
सोवत जानि मौन ह्वै कै रहि, करि-करि सैन बतावै ।।
इहिं अंतर अकुलाइ उठे हरि, जसुमति मधुरै गावै।
जो सुख 'सूर' अमर मुनि दुरलभ, सो नंद भामिनी पावै।।

(i) यशोदा बालकृष्ण को सुलाने के लिए क्या-क्या करती है ? [2]

(ii) बालकृष्ण पालने में झूलते समय क्या-क्या चेष्टाएँ कर रहे हैं ? [2]

(iii) 'जो सुख 'सूर' अमर मुनि दुरलभ, सो नंद भामिनी पावै' - कवि ने ऐसा क्यों ? [3]

(iv) यशोदा द्वारा कृष्ण को पालने में झुलाने का दृश्य अपने शब्दों में लिखिए। [3]

(एकांकी संचय)

Question 10.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह तमीज़ तो बस आप लोगों की है " मैंने कहा तुम तो लड़ती हो। मैं तो सिर्फ़ यह कहना चाहती थी कि नौकर से काम लेने का भी ढंग होता है।

(i) वक्ता और श्रोता कौन हैं ? कथन का आशय संदर्भ-सहित स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) वक्ता का परिचय दीजिए। [2]

(iii) वह तमीज़ तो बस आप लोगों को है।" - यह वाक्य किसने, किससे कहा ? इस कथन से उसके स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है ? [3]

(iv) बेला का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

Downloaded From www.cbseboard.org